विधान परिषद के तृतीय सत्र, 2022 के प्रथम सोमवार हेतु निर्धारित श्री आशुतोष सिन्हा, मा. सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या–13 का उत्तर।

प्रश्न	उत्तर
13(क) क्या गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री बतायेंगे कि सरकार गन्ना किसानों की आय में बढ़ोत्तरी किये जाने हेतु कोई कार्ययोजना बनाने पर विचार कर रही है?	जी हाँ, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हेतु 05 वर्षों के लिए 9–सूत्रीय कार्ययोजना बनायी गयी है। पंचवर्षीय कार्ययोजना 2017–18 से 2021–22 पूर्ण हो चुकी है तथा पंचवर्षीय कार्ययोजना 2022–23 से 2026–27 के अन्तर्गत वर्ष 2022–23 की कार्ययोजना गतिमान है।
(ख) यदि हॉ, तो उक्त का सम्पूर्ण विवरण सदन की मेज पर रखेंगे?	9–सूत्रीय कार्ययोजना में किसानों की गन्ना उत्पादन लागत घटाने, आमदनी बढ़ाने, चीनी उद्योग के सुदृढ़ीकरण आदि से सम्बन्धित कार्यक्रम शामिल किये गये हैं। जिनका संक्षेप में विवरण निम्नवत् हैः– **(1)गन्ने की उत्पादकता में वृद्धि करनाः–** उक्त मद के अन्तर्गत उच्च गुणवत्ता युक्त गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम, बीज एवं भूमि उपचार कार्यक्रम, ट्रेंच विधि से बुआई एवं सहफसली कार्यक्रम एवं पेड़ी प्रबन्धन कार्यक्रम शामिल किये गये हैं। **(2) गन्ने की उत्पादन लागत में कमी करनाः–** उक्त मद के अन्तर्गत समन्वित पोषण प्रबन्धन एवं भूमि उर्वरता प्रबन्धन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री ड्रिप सिंचाई कार्यक्रम, कृषि यंत्र वितरण कार्यक्रम, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत सहफसली प्रदर्शन कार्यक्रम एवं ट्रैश मल्चिंग कार्यक्रम शामिल किये गये हैं। **(3) प्रशिक्षण के माध्यम से वैज्ञानिक संस्तुतियों को कृषकों तक पहुॅचानाः–** उक्त मद के अन्तर्गत एम–किसान पोर्टल एवं किसान कॉल सेन्टर से कृषकों को जोड़ना एवं गन्ना कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल किये गये हैं। **(4) गन्ना विपणन एवं गन्ना मूल्य भुगतानः–** उक्त मद के अन्तर्गत चीनी मिलों का समय से संचालन कार्यक्रम, छोटे किसानों की समय से गन्ना आपूर्ति कार्यक्रम एवं गन्ना

	मूल्य का समयबद्ध भुगतान कानून लागू करना शामिल किये गये हैं। **(5) त्वरित गन्ना ढुलाई हेतु सुगम यातायात की व्यवस्थाः–** उक्त मद के अन्तर्गत निर्मित सम्पर्क मार्गों का सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम, निर्मित सम्पर्क मार्गों का सुदृढ़ीकरण/पुनः निमार्ण कार्यक्रम एवं निर्मित सम्पर्क मार्गो को गड्ढामुक्त किया जाना एवं अनुरक्षण कार्य शामिल किये गये हैं। **(6) चीनी उद्योग का सुदृढ़ीकरणः–** उक्त मद के अन्तर्गत स्नेहरोड (बिजनौर) एवं गजरौला (अमरोहा) की पेराई क्षमता विस्तार, सल्फरलेस रिफाइन्ड शुगर उत्पादन एवं आसवनी प्लान्ट की स्थापना, किसान सहकारी चीनी मिल ननौता (सहारनपुर) की कार्यक्षमता में सुधार एवं आधुनिकीकरण हेतु तकनीकी अपग्रेडेशन, किसान सहकारी चीनी मिल साथा (अलीगढ़) एवं सुल्तानपुर की कार्यक्षमता में सुधार हेतु तकनीकी अपग्रेडेशन, पिपराइच (गोरखपुर) चीनी मिल में नई आसवनी की स्थापना, बुढ़बल (बाराबंकी) चीनी मिल में नई चीनी मिल, रिफाइन्ड शुगर प्लान्ट एवं आसवनी की स्थापना एवं मोहिउद्दीनपुर (मेरठ) चीनी मिल आसवनी की स्थापना शामिल किये गये हैं। **(7) ग्रामीण महिलाओं हेतु रोजगार का सृजनः–** उक्त मद के अन्तर्गत महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा बड चिप विधि से गन्ना पौध का उत्पादन एवं वितरण एवं महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा ट्राइकोकार्ड का उत्पादन एवं वितरण कार्यक्रम शामिल किये गये हैं। **(8) गन्ना शोध को बढ़ावा देनाः–** उक्त मद के अन्तर्गत उन्नतशील किस्मों का विकास कार्यक्रम, उपयुक्त किस्मों का विकास कार्यक्रम, अभिजनक बीज उत्पादन कार्यक्रम, जैव उर्वरक/जैव पेस्टीसाइड्स का उत्पादन कार्यक्रम, कीट व रोगों का सर्वेक्षण कार्यक्रम एवं महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा ट्राइकोकार्ड का उत्पादन एवं वितरण कार्यक्रम शामिल किये गये हैं। **(9) सहकारी चीनी मिलों में उपलब्ध कृषि फार्मो को अभिजनक बीज उत्पादन हेतु उपयोग किया जानाः–** गन्ना कृषकों को बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत 14 सहकारी चीनी मिलों के 25.34 हेक्टेअर क्षेत्रफल को अभिजनक बीज उत्पादन हेतु उपयोग किया जा रहा है।

	गत कार्ययोजना 2017–18 से 2021–22 की अवधि के अन्तर्गत सम्पन्न कार्यक्रमों के फलस्वरूप इस अवधि में गन्ना खेती के सम्बन्ध में गन्ना क्षेत्रफल में 7.06 लाख हेक्टेअर, गन्ने की उत्पादकता में 9.12 टन प्रति हेक्टेअर, चीनी परता में 0.86 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई है। गन्ना खेती एवं अन्य सुधारों के परिणामस्वरूप गन्ना कृषकों की आमदनी में वर्ष 2017–18 के सापेक्ष वर्ष 2021–22 तक लगभग 1.6 गुना की वृद्धि हुई है।
(ग) यदि नहीं, तो क्यों?	प्रश्न ही नहीं उठता।

लक्ष्मी नारायण चौधरी
मंत्री
गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उ.प्र.।